राजस्थान में भारतीय वायु सेना का वायु अभ्यास

चर्चा में क्यों?

भारतीय वायु सेना (IAF) राजस्थान के सीमावर्ती ज़िलों में एक **महत्वपूर्ण वायु सैन्य अभ्यास** का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य अपनी **परिचालन तैयारी** और **रणनीतिक क्षमताओं** का परीक्षण करना था।

मुख्य बिंदु

- **अवधि**: तीन दिन (23-25 जुलाई, 2025)
- **स्थान**: राजस्थान में (जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर) **पाकिस्तान सीमा** के निकट।
- **उद्देश्य**: परिचालन तैयारी का परीक्षण करना और रणनीतिक अभ्यास आयोजित करना।
- **नागरिक हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध**:
  - इस अभ्यास के दौरान एक नोटिस टू एयरमेन (NOTAM) जारी किया गया है, जिसके अंतर्गत **नागरिक वायु यातायात** पर **प्रतिबंध** लगाया गया है।
  - इसका उद्देश्य IAF को **ड्रोन, मिसाइल और अन्य लड़ाकू विमानों** के संचालन हेतु **निर्बाध हवाई क्षेत्र** उपलब्ध कराना है।
- **शामिल विमान**:
  - इस अभ्यास में राफेल, सुखोई-30, मिराज 2000 तथा जैगुआर जैसे **लड़ाकू विमानों ने** दिन-रात **हवाई अभ्यास (sorties)** किये।
  - अभ्यास में हवाई लक्ष्यों को **भेदने** तथा **सटीक ज़मीनी हमलों** पर ध्यान केंद्रित किया गया।
  - यह अभ्यास **जोधपुर** और बाड़मेर स्थित **उत्तरलाई वायुसेना अड्डों** से समन्वित रूप से संचालित किया गया तथा **जैसलमेर** स्थित पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में उड़ानें संचालित की गईं।
- **रणनीतिक महत्त्व**:
  - यह अभ्यास क्षेत्र में किसी भी **शत्रुतापूर्ण गतिविधि** के प्रति भारत की **त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया** देने की **तैयारी** तथा **क्षमता** को दर्शाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-air-force-air-exercise-in-rajasthan